भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

मौसम केन्द्र, भोपाल, मध्य प्रदेश
ईमेल / Email : mausambhopal@gmail.com

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
MINISTRY OF EARTH SCIENCES
GOVERNEMENT OF INDIA

Meteorological Centre, Bhopal, Madhya Pradesh
संपर्क / Phone : 755-2551496

रविवार, 24 अगस्त 2025
Sunday, 24 August 2025

प्रेस विज्ञप्ति – मध्य प्रदेश में अगले 24 घंटो के दौरान वर्षा की गतिविधियां
Press Release : Rainfall activities in Madhya Pradesh during next 24 hours

जारी करने का समय – 13:00 भा.मा.स.
Time of Issue: 13:00 IST

वर्षा के प्रमुख आंकड़े (मिमी में) – सिधी 167.8, देवसर 138.2, भितरवार 123.2, डबरा 123.0, चिनोर 114.1, बेनीबारी 113.4, डिंडोरी 111.2, मोहगांव 105.3, बरहाई 105.0, सरई 104.0, अमरपुर 102.0, उंचेहरा 98.5, बाड़ी 96.0, सबलगढ़ 95.0, सतना 91.6, बरेली 86.6, सिंगरौली 85.8, कुंभराज 82.0, बिजुरी 79.8, विजयपुर 78.0, उदयपुरा 72.0, राजनगर 70.4, सिहावल 69.4, मैहर 68.2, बिलासपुर 68.0, नरवर 67.0, गुन्नौर 66.0, शिवपुरी 64.0, अजयगढ़ 62.2, नारायणगंज 61.3, पिपरिया 60.4, बीरपुर 59.0, बिजाडंडी 58.2, सोहावल 58.0, करेरा 58.0, छतरपुर 57.0, बुढ़ार 57.0, भीमपुर 56.0, मझौली 55.4, मेहंदवानी 54.2, हनुमना 54.0, गुढ़ 54.0, निवास 53.2, कोतमा 53.0, वेंकटनगर 52.0, मकसूदनगढ़ 52.0, माड़ा 52.0, दतिया 51.2, रावटी 51.0, गौरिहार 50.2, चित्रंगी 50.2, मोहनगढ़ 50.0, केसली 49.0, जैतहरी 48.8, लटेरी 48.6, देवरी- सागर 48.2, सैलाना 47.0, सिंगौड़ी 46.5, उमरियापान 46.4, शाहनगर 46.3, अमरकंटक 46.1, बनखेड़ी 45.8, घुघरी 45.0, अमानगंज 45.0, उमरिया 44.4, सुल्तानपुर 44.0, घाटीगांव 43.3, नागौद 43.3, शाहपुरा-डिंडोरी 43.2, अमरपाटन 43.0, मानपुर 42.8, खजुराहो-एयरपोर्ट 42.4, विजयराघवगढ़ 42.0, मंडला 41.4, निवाली 41.2, रीवा-हुजूर 41.0, चुरहट 41.0, बरही 40.0, मऊगंज 40.0, पवई 40.0, जयसिंहनगर 40.0, रहटी 39.6, इंदरगढ़ 39.0, करकेली 38.9, करांजिया 38.2, देवेंद्रनगर 38.0, सिमरिया 38.0, जयतपुर 38.0, पोहरी 38.0, नौरोजाबाद 38.0, जैसीनगर 37.5, कोलार 37.0, सोहागपुर-नर्मदापुरम 37.0, घंसौर 37.0, रामपुर 36.5, देवरी-रायसेन 36.2, मंदसौर 36.0, गाडरवारा 36.0, गोहपारू 36.0, नौगांव 35.8, समनापुर 35.1, बैराड़ 35.0, मवई 34.6, पानसेमल 34.4, नीमच 34.0, रीवा-शहर 33.6, बुधनी 33.0, पाली 32.8, ढीमरखेड़ा 32.0, रायपुरा 31.2, कन्नौद 31.0, सोहागपुर-शहडोल 31.0, कुसमी 31.0, नईगढ़ी 30.0, मनासा 30.0, पन्ना 30.0, सिहोरा 29.2, धुंधड़का 29.0, भावगढ़ 29.0, पचमढ़ी 28.5, जबलपुर 28.2, लवकुशनगर 28.0, चाचौड़ा 28.0, बड़ौदा 28.0, नर्मदापुरम 27.6, कट्ठीवाड़ा 27.0, कटनी 27.0, बाजना 27.0, मझगांव 27.0, रांझी 26.8, अनूपपुर 26.7, ग्वालियर 26.5, बहोरीबंद 26.2, नसरुल्लागंज 26.0, चंदिया 25.5, पुष्पराजगढ़ 25.4, मटियारी 25.0, करेली 25.0, ग्यारसपुर 25.0.

सिनोप्टिक मौसमी परिस्थितियां

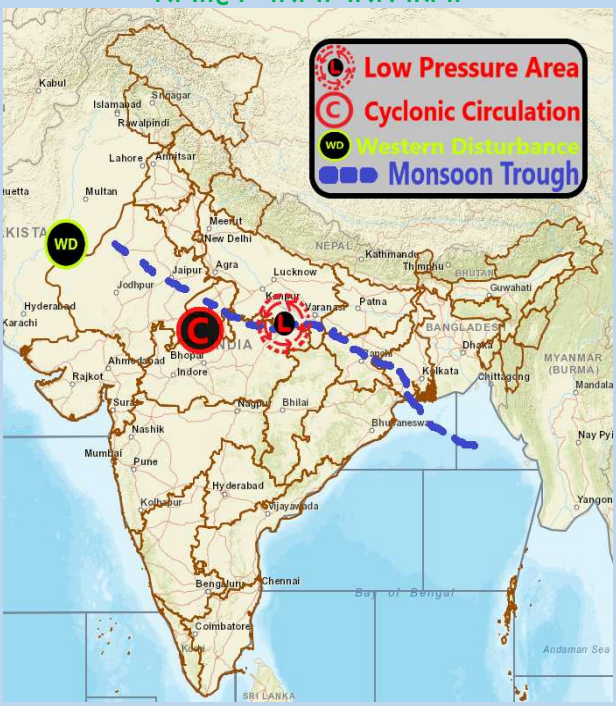

Synoptic Weather Systems

सिनोप्टिक मौसमी परिस्थितियां

- आज सुबह 0830 बजे भारतीय समयानुसार उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में **निम्न दबाव का क्षेत्र** बना हुआ था। इससे जुड़ा ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 7.6 किमी ऊपर तक फैला हुआ है और ऊँचाई के साथ दक्षिण की ओर झुक रहा है। अगले 24 घंटों के दौरान इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और उसके बाद धीरे-धीरे कमजोर होने की संभावना है।
- वर्तमान में, **मानसून ट्रफ़** माध्य समुद्र तल पर बीकानेर, जयपुर, ग्वालियर, प्रयागराज, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों पर निम्न दबाव क्षेत्र के केंद्र, पुरुलिया, दीघा और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक विस्तृत है।
- **पश्चिमी विक्षोभ** माध्य समुद्र तल से 3.1 और 9.6 किमी ऊपर एक द्रोणिका के रूप में बना हुआ है, जिसकी धुरी औसत समुद्र तल से 3.1 किमी ऊपर देशांतर 70° पूर्व से अक्षांश 28° उत्तर के उत्तर तक बनी हुई है।
- एक ऊपरी हवा का **चक्रवातीय परिसंचरण** उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और निकटवर्ती क्षेत्रो में माध्य समुद्र तल से 5.8 किमी की ऊंचाई पर सक्रिय है और ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुक रहा है।
- अगले 48 घंटों के दौरान ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों से दूर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक **नया निम्न दबाव का क्षेत्र** बनने की संभावना है।

Synoptic Weather Systems

- The **Low Pressure Area** lay over northeast Madhya Pradesh & neighbourhood at 0830 hrs IST of today. The associated upper air cyclonic circulation extends upto 7.6 km above mean sea level tilting southwards with height. It is likely to move west-northwestwards during next 24 hours and weaken gradually thereafter.
- The **Monsoon Trough** at mean sea level now passes through Bikaner, Jaipur, Gwalior, Prayagraj, centre of low-pressure area over northeast Madhya Pradesh & neighbourhood, Purulia, Digha and thence southeastwards to northeast Bay of Bengal.
- The **Western Disturbance** as a trough between 3.1 & 9.6 km above mean sea level with its axis at 3.1 km above mean sea level roughly along Long. 70°E to north of Lat. 28°N persists.
- The upper air **Cyclonic Circulation** lay over northwest Madhya Pradesh & neighbourhood and extends upto 5.8 km above mean sea level tilting southwestwards with height.
- A **Fresh Low Pressure Area** is likely to form over northwest Bay of Bengal off Odisha-West Bengal coasts during next 48 hours.

मौसम का पूर्वानुमान **(Weather Forecast & Warnings)** दिनांक 24.08.2025 की प्रातः 8:30 से 25.08.2025 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
अति भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात, झोंकेदार हवाएं 30-40 किमी/घंटा	कहीं-कहीं	गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां जिलों में ।
अति भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, पन्ना, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर जिलों में ।
भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	विदिशा, रायसेन, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, दमोह जिलों में ।
झंझावत और वज्रपात, झोंकेदार हवाएं 30-40 किमी/घंटा	कहीं-कहीं	भोपाल, सिहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच जिलों में ।
झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा जिलों में ।

"फ्लैश फ्लड जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान, 25-08-2025 को सुबह 11:30 बजे IST तक"

अगले 24 घंटों के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और इलाकों में **निम्न से मध्यम स्तर का फ्लैश फ्लड** (अचानक बाढ़) का खतरा संभव है।

पश्चिम मध्य प्रदेश: भिंड, ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी और श्योपुर जिले।

"अगले 24 घंटों में संभावित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए गए प्रभावित क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मृदा वाले और नीचले इलाकों में सतही जल बहाव/जलभराव हो सकता है।"

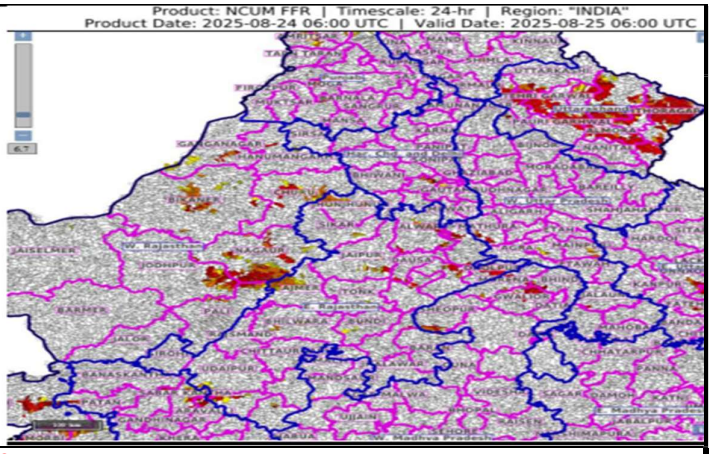

भारी / अति भारी वर्षा से खतरे वाले क्षेत्र

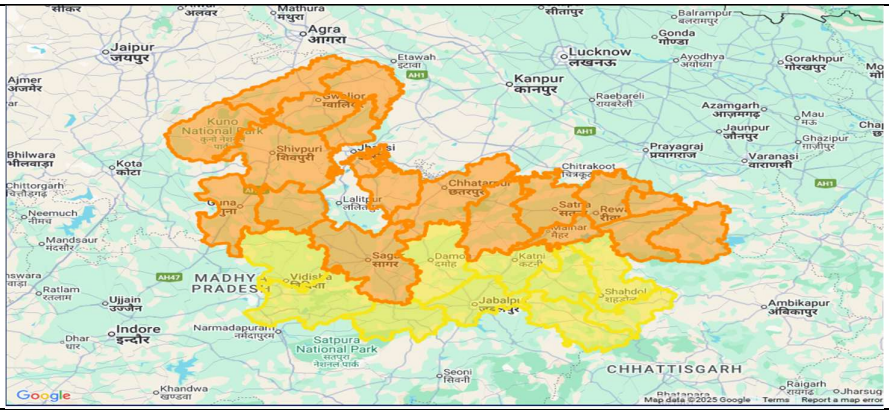

अरुण शर्मा / Arun Sharma
वैज्ञानिक – डी (पूर्वानुमान अधिकारी) / Scientist-D (Forecasting Officer)
मौ. के. भोपाल / M. C. Bhopal

Weather Forecast and Warnings from 24 August 2025 to 28 August 2025
24 अगस्त 2025 से 28 अगस्त 2025 के मध्य मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनियां

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 24/08/2025

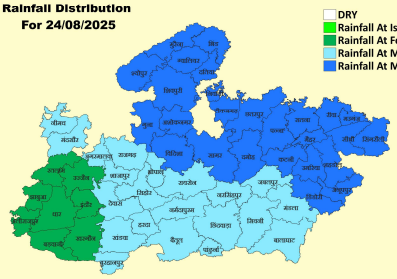

Warnings
For 24/08/2025

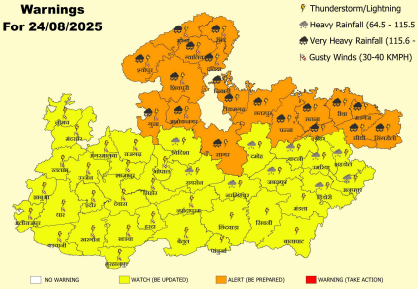

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 25/08/2025

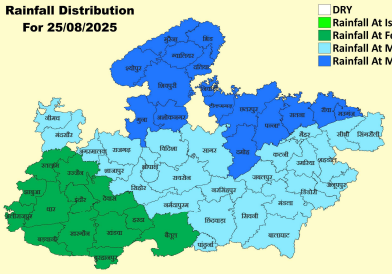

Warnings For
25/08/2025

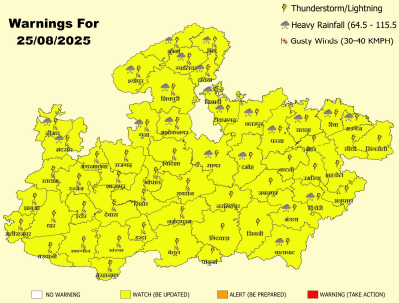

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 26/08/2025

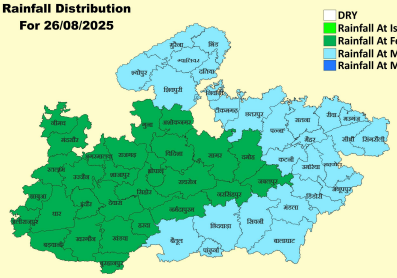

Warnings
For 26/08/2025

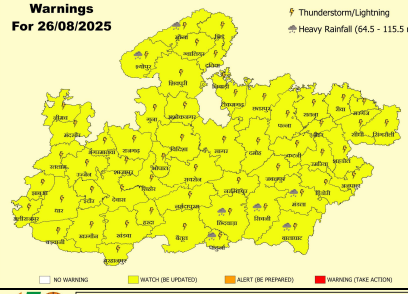

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 27/08/2025

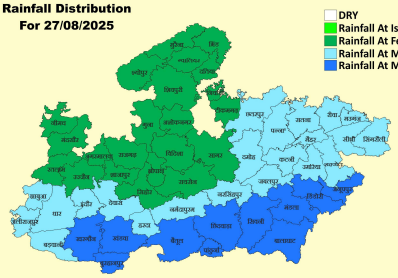

Warnings
For 27/08/2025

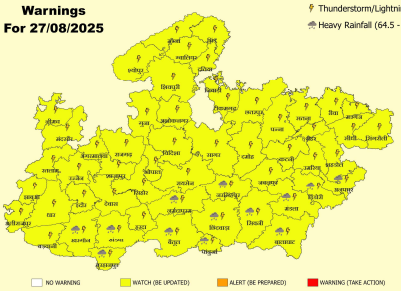

Meteorological Centre Bhopal

Rainfall Distribution
For 28/08/2025

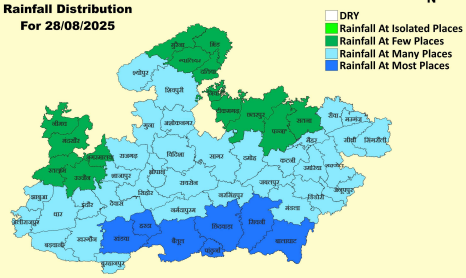

Warnings
For 28/08/2025

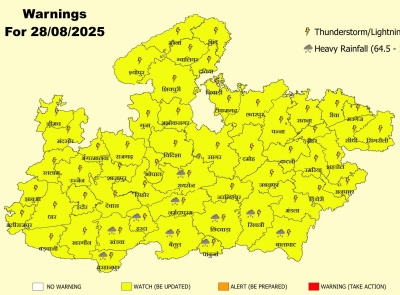

संकेत / Legends
कहीं / कहीं वर्षा -RAINFALL AT ISOLATED PLACES
कुछ स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT SCATTERED PLACES
अनेक स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MANY PLACES
अधिकांश स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MOST PLACES
वज्रपात के साथ झंझावात /THUNDERSTORM WITH LIGHTNING
झोंकेदार हवाएं / Gusty Winds
भारी वर्षा (64.5 – 115.5 मी.मी.)/ Heavy Rainfall (64.5 – 115.5mm)
अतिभारी वर्षा (115.6 – 204.4 मी.मी.)/ Very Heavy Rainfall (115.6 – 204.4mm)
अत्यधिक भारी वर्षा (204.5 मी.मी. या अधिक) / Extremely Heavy Rainfall (204.5mm and above)

भारी / अति भारी वर्षा के प्रभाव एवं सुझाव

बहुत भारी बारिश के संभावित दुष्प्रभाव	दुष्प्रभाव से बचने के उपाय
• निचले इलाकों और सुरंगों में बाढ़ आना । • खानों एवं खदानों में पानी भरना । • नदियों, झरनों एवं जलाशयों के जलस्तर में आकस्मिक वृद्धि । • कच्चे, असुरक्षित तथा अस्थायी ढांचों को मध्यम क्षति । • नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान । • बहुत भारी बारिश के दौरान जलमग्न तथा फिसलन भरी सड़क और खराब दृश्यता के कारण सड़क/रेल/जल परिवहन में मामूली/मध्यम व्यवधान हो सकता है। • बहुत पुरानी इमारतों और असुरक्षित संरचनाओं आदि के लिए खतरे की संभावना। • जल अतिप्रवाह के कारण नालों और मौसमी वर्षा आधारित जलधाराओं पर निचले पुलों और सड़कों का आंशिक/अस्थायी रूप से बंद होना । • वृक्षारोपण/बागवानी फसलों को मध्यम क्षति एवं कृषि को मामूली क्षति। • जीवन, पशुधन और संपत्ति को नुकसान के कुछ मामले।	• निचले एवं बाढ़ग्रस्त इलाकों से दूर रहें। • आकस्मिक बाढ़ की संभावना वाले क्षेत्रों से दूर रहें और पेड़ों का आश्रय लेने से बचें। सुरक्षित/पक्के घरों के अंदर सुरक्षित आश्रय लें। • खतरे के निशान के आस-पास बह रही नदियों के आप्लावन मैदानों से दूर रहें। • अस्थायी और असुरक्षित संरचनाओं को ठीक से सुरक्षित किया जाना चाहिए या खाली कर दिया जाना चाहिए। • बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था बनाएं। • यातायात में अपेक्षित देरी के कारण पूर्व योजना बनाएं। • नालों और मौसमी जलधाराओं से दूर रहें। • भारी बारिश के दौरान फिसलन भरी सड़कों एवं खराब दृश्यता की स्थिति में वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। • अतिप्रवाहित पुलों और जलमग्न सड़कों एवं सुरंगों से बचें (या पार करते समय अत्यधिक सावधानी बरतें)। • जल परिवहन एवं खनन गतिविधियों का विवेकपूर्ण विनियमन • झरनों एवं जलाशयों के पास जाने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित दुष्प्रभाव	दुष्प्रभाव से बचने के उपाय
• निचले इलाकों एवं सुरंगों में जलजमाव / अस्थायी बाढ़ । • कच्चे, असुरक्षित एवं अस्थायी ढांचों को आंशिक क्षति । • विद्युत व्यवस्था में व्यवधान । • भारी बारिश के दौरान फिसलन भरी कच्ची सड़क और खराब दृश्यता के कारण सड़क यातायात में मामूली व्यवधान । • मौसमी नालों/नदियों के जलस्तर में आकस्मिक वृद्धि । • वृक्षारोपण/बागवानी फसलों को को मामूली क्षति। • संपत्ति को नुकसान के कतिपय मामले।	• अचानक आने वाली बाढ़ की संभावना वाले क्षेत्रों से दूर रहें। • पक्के अथवा सुरक्षित मकानों में आश्रय लें। • अस्थायी और असुरक्षित संरचनाओं को ठीक से सुरक्षित किया जाना चाहिए अथवा खाली कर दिया जाना चाहिए। • बिजली की वैकल्पिक योजना बनाई जा सकती है। • यातायात में अपेक्षित देरी से बचने हेतु पूर्व योजना बनाएं। • मौसमी नदी-नालों से दूर रहें। • खतरे के निशान के आस-पास बह रही नदियों से दूर रहें। • गड्ढों, पोखरों एवं तालाबों जिनमे बाहर से पानी आता हो में नहाने से बचें।

झंझावत /वज्रपात/झोंकेदार हवाओं के दुष्प्रभाव एवं सुझाव

प्रभाव	सुझाव
• दृश्यता में कमी। • विद्युत व्यवस्था में व्यवधान, यातायात प्रवाह में व्यवधान। • इमारतों, कमजोर संरचनाओं, कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को नुकसान हो सकता है। खिड़कियाँ टूट सकती हैं और छतें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। हल्की वस्तुएं उड़ सकती हैं। • तेज झोंकेदार हवाओं/वज्रपात से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है। • झंझावत /वज्रपात से विमान को गंभीर नुकसान हो सकता है। • पशुधन, वन्य जीवन और जनजीवन को क्षतिः खुले स्थानों पर लोगों, मवेशियों और वन्यजीवों को गंभीर चोट लग सकती है, घायल भी हो सकते हैं या उनकी मृत्यु भी हो सकती है।	• घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और अगर संभव हो तो यात्रा करने से बचें। • बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें। • वाहन चलते समय सावधानी रखें। • सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे आश्रय न लें। कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न टिकें। • जलस्रोतों से तुरंत बाहर निकलें। • बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें। • घर में रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और यदि संभव हो, तो यात्रा से बचें।

स्वास्थ्य परामर्श :

- जल जनित और कीट जनित रोगों से बचाव के लिए सावधानी बरतें। फ़िल्टर किया हुआ या उबला हुआ पानी पीने और स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दें। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए रुके हुए पानी को हटाएं, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसे रोगों का खतरा कम हो सके।
- मानसून में आमतौर पर सर्दी, खांसी और वायरल बुखार जैसी बीमारियाँ फैलती हैं, इसलिए इनके लक्षणों को नज़रअंदाज़ न करें और यदि लक्षण बने रहें तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।
- हृदय रोग से पीड़ित व्यक्तियों को मानसून के दौरान अधिक नमी के कारण होने वाले जोखिमों को ध्यान में रखना चाहिए। वे नियमित रूप से अपना रक्तचाप जांचें और हृदय-स्वस्थ आहार का पालन करें।

कृषकों के लिए विशेष सलाह -

- यह सुनिश्चित करें कि सभी खेतों, विशेष रूप से सोयाबीन, उरद/मूंग और सब्ज़ी की फसलों में उचित जल निकासी हो।
- खेतों की बाँध और नालियों को मजबूत और मरम्मत करें ताकि पानी का बहाव रोका जा सके और नमी संरक्षित हो सके।
- बारिश या तूफानी चेतावनियों के दौरान उर्वरक और कीटनाशक का छिड़काव न करें; साफ़ मौसम का इंतजार करें।
- सोयाबीन और सब्ज़ियों में फंगल/बैक्टीरियल बीमारियों के शुरुआती लक्षणों के लिए निगरानी रखें; बारिश रुकने के बाद अनुशंसित फंगिसाइड्स (जैसे मैनकोज़ेब, कार्बेन्डाजिम) का छिड़काव करें।
- धान के खेतों में 5–7 सेंटीमीटर पानी बनाए रखें; अतिरिक्त पानी निकालें और ब्लास्ट और शीथ ब्लाइट की निगरानी करें।
- सोयाबीन में येलो मोज़ेक वायरस (YMV) और गिर्ल बैटल का ध्यान रखें; प्रभावित पौधों को उखाड़ें और सलाह अनुसार कीटनाशक छिड़कें।
- सब्ज़ी और दलहन फसलों में कीटों की प्रारंभिक गतिविधि का पता लगाने के लिए चिपचिपे ट्रैप्स या फेरोमोन ट्रैप्स का उपयोग करें।
- खड़ी मक्का और ज्वार की फसलों को झुकने से बचाने के लिए जहाँ संभव हो, मिट्टी ढकेल कर सपोर्ट करें।
- तूफ़ानों के दौरान जानवरों को कवर किए गए शेल्टर में रखें; उन्हें पेड़ों या धातु की छड़ों के नीचे न बांधें।
- चारा, बीज और उर्वरकों को जलरोधी भंडारण में उठी हुई प्लेटफ़ॉर्म पर रखें या उन्हें टारपोलिन से ढकें।